NEXT IAS

दैनिक संपादकीय विश्लेषण

विषय

असंगठित श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा बढ़ाना: ई-श्रम की भूमिका

असंगठित श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा बढ़ाना: ई-श्रम की भूमिका

सन्दर्भ

- श्रम एवं रोजगार मंत्रालय (MoL&E) ने हाल ही में दावा किया है कि 300 मिलियन से अधिक पंजीकृत श्रमिकों के साथ, ई-श्रम पोर्टल विश्व में असंगठित श्रमिकों का सबसे बड़ा डेटाबेस है।

पृष्ठभूमि

- महामारी के दौरान प्रवासी श्रमिकों की दयनीय स्थिति और पलायन को देखते हुए, भारत के उच्चतम न्यायालय ने केंद्र सरकार को श्रमिकों का एक राष्ट्रीय डेटाबेस बनाने का निर्देश दिया था।
- इसके बाद, श्रम एवं रोजगार मंत्रालय द्वारा मई 2021 में ई-श्रम पोर्टल प्रारंभ किया गया, जिसका उद्देश्य इस श्रम बल का राष्ट्रीय डेटाबेस तैयार करना था।
- **पोर्टल पर पंजीकरण पूर्णतः** आधार सत्यापित एवं आधार से जुड़ा हुआ है। कोई भी असंगठित श्रमिक स्व-घोषणा के आधार पर पोर्टल पर अपना पंजीकरण करा सकता है।
- यह असंगठित कामगार को 30 व्यापक व्यवसाय क्षेत्रों में 400 व्यवसायों के अंतर्गत स्व-घोषणा के आधार पर पोर्टल पर स्वयं को पंजीकृत करने की अनुमति देता है।

वर्तमान चुनौतियाँ

- **पात्रता बहिष्करण:** कई प्रवासी श्रमिकों के पास आवश्यक दस्तावेज़ (जैसे, आधार, राशन कार्ड) का अभाव है।
  - आधार से लिंक न किए गए मोबाइल नंबरों या स्थायी मोबाइल नंबर के अभाव से संबंधित समस्याएं।
  - अपर्याप्त दस्तावेजीकरण के कारण ये श्रमिक ई-श्रम पंजीकरण और संबंधित लाभों से वंचित रह जाते हैं।
- **ई-श्रम पोर्टल की कार्यक्षमता:** यह मुख्य रूप से पंजीकरण अभियान के रूप में संचालित होता है, तथा इसका सीमित ध्यान सामाजिक सुरक्षा लाभों तक पहुँच सुनिश्चित करने पर है।
- कई पंजीकृत श्रमिक राशन कार्ड और खाद्य सुरक्षा जैसी सुविधाओं से वंचित रह जाते हैं।
- **प्रवासी श्रमिकों की भेद्यता:** अत्यधिक गतिशीलता के कारण उन्हें मताधिकार से वंचित किया जाता है, उन पर आक्षेप लगाया जाता है, तस्करी की जाती है और सार्वजनिक सेवाओं तक उनकी पहुँच खराब होती है।
- प्रवासी श्रमिक, विशेषकर मौसमी और सर्कुलर प्रवासी, असंगठित कार्यबल के सबसे कमजोर वर्गों में से हैं।
- **लिंग असमानताएँ:** 53.59% महिला श्रमिक पंजीकरण दर के बावजूद, संरचनात्मक असमानताएँ बनी हुई हैं।
- महिला श्रमिकों को अतिरिक्त चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, जिससे सामाजिक सुरक्षा योजनाओं में लिंग-संवेदनशील दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता होती है।
- **डेटा पृथक्करण:** लिंग, क्षेत्र और प्रवासन पैटर्न जैसे कारकों के आधार पर विस्तृत डेटा पृथक्करण की आवश्यकता को पर्याप्त रूप से संबोधित नहीं किया गया है।

ई-श्रम पोर्टल का महत्त्व

- **सामाजिक सुरक्षा:** असंगठित श्रमिकों को पेंशन, बीमा, स्वास्थ्य देखभाल और अन्य कल्याणकारी लाभों जैसी सामाजिक सुरक्षा योजनाओं तक पहुँच के लिए एक मंच प्रदान करना।

- **डेटा-संचालित हस्तक्षेप:** डेटाबेस सरकार को असंगठित श्रमिकों की आवश्यकताओं और चुनौतियों को समझने में सक्षम करेगा, जिससे अधिक लक्षित और प्रभावी नीतियाँ बनाई जा सकेंगी।
- **सशक्तिकरण:** विशिष्ट पहचान और सामाजिक सुरक्षा तक पहुँच प्रदान करके, पोर्टल का उद्देश्य असंगठित श्रमिकों को सशक्त बनाना और उनके जीवन की गुणवत्ता में सुधार करना है।
- **आपदा राहत:** संकट के समय, डेटाबेस का उपयोग प्रभावित श्रमिकों की शीघ्र पहचान करने और उन्हें सहायता प्रदान करने के लिए किया जा सकता है।
- **नीति निर्माण:** पोर्टल के माध्यम से एकत्रित आंकड़ों का उपयोग न्यूनतम मजदूरी, कार्य स्थितियों और व्यावसायिक सुरक्षा सहित श्रम नीतियों को सूचित और परिष्कृत करने के लिए किया जा सकता है।

वन-स्टॉप सॉल्यूशन (OSS) पहल

- हाल ही में लॉन्च किए गए ओएसएस का उद्देश्य वन नेशन वन राशन कार्ड, मनरेगा और पीएम श्रम योगी मानधन जैसी कल्याणकारी योजनाओं को ई-श्रम पोर्टल में एकीकृत करके इन चुनौतियों का समाधान करना है।
- यह पहल पेंशन, बीमा, आवास और कौशल विकास जैसे क्षेत्रों को जोड़ने पर केंद्रित है, जिससे श्रमिकों के लिए अधिक व्यापक सुरक्षा जाल तैयार हो सके।

सिफारिशें

- **दस्तावेज़ीकरण संबंधी मुद्दों का समाधान:** पंजीकरण प्रक्रियाओं को सरल बनाना और उन श्रमिकों को सहायता प्रदान करना जिनके पास आवश्यक दस्तावेज़ नहीं हैं।
- **सामाजिक सुरक्षा को प्राथमिकता देना:** केवल पंजीकरण से आगे बढ़कर सभी पंजीकृत श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा लाभों तक पहुँच सुनिश्चित करने पर ध्यान केन्द्रित करना।
- **डेटा वियोजन:** प्रवासी श्रमिकों की आवश्यकताओं को बेहतर ढंग से समझने और उसके अनुसार नीतियाँ बनाने के लिए विभिन्न कारकों के आधार पर उनके डेटा को एकत्रित और विश्लेषित करना।
- **लाभों की पोर्टेबिलिटी को बढ़ावा देना:** अंतर-राज्यीय प्रवासियों के लिए निर्बाध पहुँच सुनिश्चित करने के लिए राज्यों के बीच सामाजिक सुरक्षा लाभों के हस्तांतरण की सुविधा प्रदान करना।
- **लिंग-संवेदनशील दृष्टिकोण:** महिला श्रमिकों की विशिष्ट आवश्यकताओं और चुनौतियों का समाधान करने के लिए लिंग-संवेदनशील नीतियों और कार्यक्रमों को लागू करना।
- **मानव विकास पर ध्यान केन्द्रित करना:** प्रवासियों को बोझ के रूप में देखने के स्थान पर उन्हें सम्पत्ति के रूप में पहचानना तथा उनके मानव विकास को प्राथमिकता देना।

निष्कर्ष

- ई-श्रम पोर्टल भारत में असंगठित श्रमिकों और प्रवासियों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए एक मूल्यवान उपकरण बनने की क्षमता रखता है।
- हालाँकि, चुनौतियों का समाधान करना और सिफारिशों को लागू करना इसकी सफलता सुनिश्चित करने तथा अधिक समावेशी और समतापूर्ण समाज के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए महत्वपूर्ण है।

Source: IE

■■■■

दैनिक मुख्य परीक्षा अभ्यास प्रश्न

प्रश्न. अन्तर्राज्यीय प्रवासी श्रमिकों को शामिल करने के लिए कल्याणकारी योजनाओं की पोर्टेबिलिटी महत्त्वपूर्ण है। ई-श्रम पोर्टल जैसी पहलों के माध्यम से इसे प्राप्त करने की आवश्यकता और चुनौतियों पर चर्चा कीजिए।